भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3354 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है

नदी विकास और जलमार्ग परियोजनाएं

†3354. श्री सौमेंदु अधिकारी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का बाढ़ प्रबंधन, अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन, क्षेत्रीय पर्यटन तथा सिंचाई में सुधार के उद्देश्य से नदियों पर केंद्रित विभिन्न परियोजनाएं शुरू करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने पश्चिम बंगाल में नदियों को जोड़ने, नदी तट विकास, कटाव नियंत्रण, नदियों की गाद निकालने तथा जलमार्गों के विकास से संबंधित परियोजनाएं शुरू की गई हैं/शुरू किए जाने हेतु प्रस्तावित हैं; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ने राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना तैयार की है जिसके तहत 30 नदियों को असम में जोड़ने वाली (आईएलआर) परियोजनाओं की पहचान की गई है। ये आईएलआर परियोजनाएं आम तौर पर बाढ़ प्रबंधन, अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन, क्षेत्रीय पर्यटन तथा सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक जल की उपलब्धता में सुधार लाने में सहायक होती हैं। पश्चिम बंगाल को लाभान्वित करने वाली आईएलआर परियोजनाओं और उनकी वर्तमान स्थिति का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	नाम	राज्यों को लाभ हुआ	स्थिति
1.	मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) पूरी हो गई
2.	जोगीघोपा- तिस्ता - फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी हो गई है। (प्रस्ताव रद्द कर दिया गया है)
3.	फरक्का - सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	एफआर पूरा हुआ
4.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूरा हुआ
5.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूरा हुआ

इसके अतिरिक्त, पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने पश्चिम बंगाल के अंतर्देशीय जलमार्गों पर निर्बाध नौचालन सुनिश्चित करने, बहुआयामी संपर्कता में सुधार करने और कार्गो एवं यात्री आवागमन को सुगम बनाने के लिए परियोजनाएं शुरू की हैं। आईडब्ल्यूएआई द्वारा पश्चिम बंगाल में पूरी की गई/शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

अनुबंध

दिनांक 7.8.2026 के लोकसभा अतारांकित प्रश्न सं. 3354 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

आईडब्ल्यूएआई द्वारा पश्चिम बंगाल में पूर्ण/प्रचालित परियोजनाओं का विवरण:
क. पूर्ण परियोजनाएं

i.

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**विवरण**
1	हल्दिया में मल्टीमॉडल टर्मिनल (एमएमटी) का विकास	2023 में पूरा हुआ
2	फरक्का में नए नेविगेशनल लॉक गेट का विकास	2024 में पूरा हुआ
3	फेयरवे विकास	फरक्का - कहलगांव (एलएडी आधारित ड्रेजिंग का 5 वर्षों का कार्य पूरा हो गया है) 2023 में पूरा हुआ
4	सामुदायिक जेट्टियों का विकास	22 स्थानों पर कार्य पूर्ण किया गया
5	जलवैज्ञानिक सर्वेक्षण (इच्छामती नदी रा.ज.-44)	2022-23 में पूरा हुआ
6	रा.ज.-44 इच्छामती नदी पर टेंटुलिया से कलांची तक 23.38 किलोमीटर के क्षेत्र में जलकुंभी को हटाना।	2023-24 में पूरा हुआ
7	रा.ज.-86 रूपनारायण नदी में गैंगवे और पोंटून का निर्माण एवं स्थापना	2023-24 में पूरा हुआ
8	रा.ज.-86 रूपनारायण नदी में तटबंध संरक्षण कार्य	कोलाघाट टर्मिनल पर 100 मीटर लंबाई का निर्माण कार्य 2022-23 में पूरा हुआ।
9	रा.ज.-86 रूपनारायण नदी क्षेत्र में सौर ऊर्जा से चलने वाली 2 एनएम एलईडी लाइटों की खरीद एवं आपूर्ति।	2023-24 में पूरा हुआ
10	रा.ज.-86 रूपनारायण नदी क्षेत्र में कोलाघाट टर्मिनल से रा.रा. 41 तक 3.9 किलोमीटर (एक गैर-आरसीसी पुलिया को छोड़कर) सड़क का निर्माण।	2022-23 में पूरा हुआ
11	सुंदरबन जलमार्ग के आईबीपी मार्ग पर	वर्ष 2014-15 से 2023-24 की अवधि के

	हेमनगर में एकीकृत कार्यालय परिसर (सीमा शुल्क, आव्रजन-राज्य पुलिस और आईडब्ल्यूएआई) का विकास, 24 घंटे नौचालन और रखरखाव।	दौरान किए गए कार्य
12	घोरामोरा द्वीप के पास 4 नौगम्य बोया की आपूर्ति और स्थापना।	2023-24 में पूरा हुआ
13	इच्छामती नदी (रा.ज.-44) में कार्य	○ बंसाहारी-मल्लिकपुर से बशीरहाट पुल तक रात्रिकालीन नौचालन सुविधा - 7.0 किमी का कार्य पूरा हो गया है। ○ एक लेन वाले पुल का डिजाइन और निर्माण कार्य पूरा हो गया है।
14	1 रो-पैक्स जेट्टी की स्थापना	2026 में मानिकचक में स्थापित किया गया था।

ख. जारी परियोजनाएँ

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**विवरण**
1	5 स्थानों पर अतिरिक्त सामुदायिक जेट्टियों का विकास	5 स्थानों पर निर्माण कार्य जारी है - सितंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद (लागत: 21.4 करोड़ रुपये)
2	सामुदायिक जेट्टी के लिए तटवर्ती सुविधाएं	8 स्थानों के लिए निर्माण कार्य चल रहा है - (लागत: 5.6 करोड़ रुपये)
3	फराक्का में मौजूदा नौचालन लॉक का नवीनीकरण/आधुनिकीकरण	कार्य प्रगति पर है - 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है (लागत: 210 करोड़ रुपये)
4	फेयरवे रखरखाव	○ फरक्का-कहलगांव: 2027 की दूसरी तिमाही तक पूरा होगा (लागत: 98 करोड़ रुपये) ○ फरक्का-कटवा: 2027 की दूसरी तिमाही तक पूरा होगा (लागत: रु. 58.5 करोड़) ○ कटवा - त्रिबेनी: 2027 की दूसरी तिमाही तक पूरा होने की संभावना

		(लागत: 57.8 करोड़ रुपये) ○ एमएमटी-हल्दिया एक्सेस चैनल: 2027 की दूसरी तिमाही तक पूरा होगा (लागत: 50.6 करोड़ रुपये)
5	इचामती नदी (रा.ज.- 44) में कार्य	विभागीय उभयचर ड्रेजर द्वारा ड्रेजिंग - लागत: 3.9 करोड़ रुपये।
6	रूपनारायण नदी (रा.ज.-86) में कार्य	नेविगेशनल लाइटेड पोस्ट, रेट्रो रिफ्लेक्टिव स्टिकर वाले स्नैग/सावधानी चिह्न और प्रोजेक्ट साइन बोर्ड का प्रचालन एवं रखरखाव।
7	बालागढ़ में इंटरमॉडल टर्मिनल का विकास	एसएमपीके (कोलकाता पत्तन) के माध्यम से जारी
8.	हल्दिया में एमएमटी के लिए रेल संपर्क	प्रथम चरण का निर्माण कार्य जारी है

*****